Dharmesh nanda, Department of Geography
Govt. Degree College, Bagaha-1
BRABU, Muzaffarpur

Geography (Hons.) B.A. Part-1

Paper-1

Relief of the Ocean Basin

Dharmesh nanda
Assistant Professor (Guest)

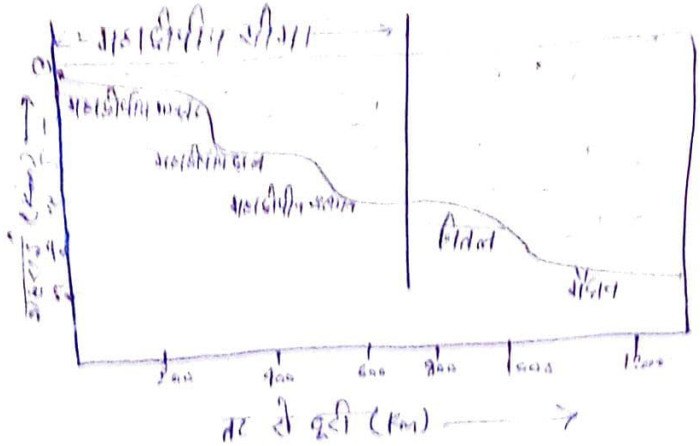

महाद्वीपीय उभार (Continental Rise) →

औसत ढाल 0.5-1° इसका सामान्य उच्चावच काफी कम होता है एवं गहराई बढ़ने के साथ-साथ यह समतल होकर महासागरीय मैदान में मिल जाता है। औसत गहराई 2000-3000 मीटर है।

गहन सागरीय मैदान (Deep Sea Plains) →

औसत गहराई 5000-6000 मीटर है। ढाल प्रवणता काफी कम (1:100) है। इसके अंतर्गत संपूर्ण महासागरीय क्षेत्रफल का 75.9% भाग आता है। प्रशांत महासागर में 80.3%, हिन्द महासागर में 80.1% तथा अटलांटिक महासागर में 54.9% भाग पर गहन सागरीय मैदान का विस्तार है। अटलांटिक महासागर में सागरीय मैदान के अपेक्षाकृत कम विस्तार का प्रमुख कारण महाद्वीपीय प्रवाह का अधिक विस्तार है।

महासागरीय गर्त (Ocean Trench) →

महासागरीय गर्त महासागरों के सबसे गहरे भाग हैं। ये महासागरों के मध्य में नहीं बल्कि प्रायः तटों या द्वीपों एवं द्वीपों के समानान्तर देखने को मिलते हैं। चैलेंजर अभियान (1884) के दौरान 57 गर्तों का पता लगाया गया। इनमें से 32 प्रशांत महासागर में, 19 अटलांटिक महासागर में एवं 6 हिन्द महासागर में स्थित हैं। विश्व का सबसे गहरा गर्त मेरियाना ट्रेंच (चैलेंजर गर्त) है, जो उत्तरी पश्चिमी प्रशांत

महासागरीय गर्तों की उत्पत्ति की व्याख्या प्लेट विवर्तनिकी सिद्धांत द्वारा की जा सकती है। इनकी गहराई सामान्यतः 5500 मीटर से अधिक है।

विश्व के प्रमुख महासागरीय गर्त

	महासागरीय गर्त	भौगोलिक स्थिति	गहराई (मीटर)
1.	चैलेंजर / मेरियाना	उ. प. प्रशांत महासागर	5847
2.	टोंगा गर्त	द. प. प्रशांत	9024
3.	फिलीपींस गर्त	प्रशांत महासागर में फिलीपींस के पूर्वी तरफ	1767
4.	टसकरोरा गर्त	जापान के पूर्वी तट पर (प्रशांत महासागर में)	1656
5.	प्यूर्टोरिको गर्त	अटलांटिक महासागर में कैरेबियन द्वीप के निकट	1622
6	रोमांश गर्त	अटलांटिक	1030
7.	सुण्डा गर्त	हिन्द महासागर में सुमात्रा द्वीप के दक्षिण	3828

उपरोक्त प्रमुख गर्तों के अलावा रियूकू गर्त एवं मरे गर्त प्रशांत महासागर में, नेरस गर्त एवं सैंडविच गर्त अटलांटिक महासागर में तथा वार्टन गर्त एवं डिस्कवरी गर्त हिन्द महासागर में स्थित कुछ अन्य गर्त हैं।

मध्य महासागरीय कटक (Mid oceanic Ridge)

इनकी कुल लंबाई 75,000 किलोमीटर है। ये कटक या तो पठार के समान है या पर्वत के सामान है। इनके शिखर समुद्री जल स्तर से ऊपर उठकर कहीं-कहीं द्वीप बनाते हैं जैसे अज़ोर्स द्वीप